भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न : 2988

बुधवार, 03 अगस्त, 2022 को उत्तर देने के लिए

वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

2988. डॉ. डी. रविकुमारः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में देश का हिस्सा कितना है;

(ख) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में देश के खराब प्रदर्शन के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या अनुमोदन प्राप्त करने में देरी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास में कोई नकारात्मक भूमिका निभाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का सटीक आकलन एक जटिल कार्य है और व्यापक विमर्श का विषय है। वर्ष 2019 का आकलन वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 360 अमेरिकी डॉलर बताता है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी लगभग 2% है।

(ख) भारत ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेतृत्व में अंतरिक्ष के सभी क्षेत्रों – अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली; भू-प्रेक्षण, उपग्रह संचार, मौसम विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान एवं नौवहन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपग्रह-समूह सहित अंतरिक्ष परिसंपत्तियों; बुनियादी अवसंरचना, राष्ट्रीय आवश्यकताओं तथा मानव और समाज की आम समस्याओं के समाधान के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों से संबंधित अनेक प्रचालनशील कार्यक्रमों में स्वदेशी क्षमता अर्जित की है।

(ग) जी, नहीं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में कोई विलम्ब नहीं हुआ है।

***